भारत में नगरीकरण

(URBANIZATION IN INDIA)

प्रस्तुतकर्ता

डॉ. सुषमा शर्मा

सहा. प्राध्यापक - समाजशास्त्र

डी.पी. विप्र महाविद्यालय बिलासपुर (छ.ग.)

भारत में नगरीकरण

- नगरीकरण की अवधारणा
- जन्म देने वाली परिस्थितियाँ
- नगरीकरण की प्रक्रिया
- नगरीकरण के कारण
- नगरीकरण के प्रभाव

भारत में नगरीकरण

नगरीकरण की अवधारणा –

ग्रामीण क्षेत्रों को नगरीय क्षेत्रों में परिवर्तित होने की प्रक्रिया को नगरीकरण करना चाहिए ।

भारत में नगरीकरण

जन्म देने वाली परिस्थितियाँ –

१. औद्योगिक विकास

२. भौगोलिक परिस्थितियाँ

३. वैज्ञानिक प्रगति

४. व्यापारीकरण का केन्द्र

५. सुखवादी संस्कृति

६. जनसंख्या वृद्धि

भारत में नगरीकरण

नगरीकरण की प्रक्रिया –

मनुष्य के विकास, उन्नति और प्रगति के निरंतर तीव्र होता है । आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक युग इसका उदाहरण है ।

भारत में नगरीकरण

नगरीकरण के कारण

१. कृषि समाज की भूमिका

२. उपयुक्त जलवायु

३. आवागमन के साधनों मे विकास

४. व्यापार करने की प्रवृत्ति मे वृद्धि

५. औद्योगीकीकरण एवं तकनीकी विकास

६. नगरीय कारण – १. धनी और सम्पन्न होने की भावना, २. सपनों का संसार, ३. जीविको पार्जन के केन्द्र, ४. नगरीय सुविधाओं का आकर्षण, ५. मनोरंजन के केन्द्र, ६. सुरक्षा की भावना, ७. शिक्षा का प्रचार और प्रसार ।

भारत में नगरीकरण

नगरीकरण के प्रभाव

१. आर्थिक प्रभाव

१. व्यवसायों में वृद्धि
२. धन का महत्व
३. आर्थिक उलट फेर
४. उत्पादन

२. सामाजिक प्रभाव

१. संयुक्त परिवार का विघटन
२. सामाजिक-सांस्कृतिक सर्म्पकों का विस्तर
३. सामाजिक मूल्यों में परिवर्तन
४. रुढ़िवादी धर्म का ह्रॅास
५. पारिवारिक नियंत्रण का ह्रॅास
६. सामाजिक सम्बन्धों में परिवर्तन
७. स्त्रियों की सामाजिक स्थिति में परिवर्तन
८. मनोरंजन का व्यापारीकरण

भारत में नगरीकरण

नगरीकरण के प्रभाव

३. राजनीतिक प्रभाव

१. राजनीतिक जागरुकता
२. राजनैतिक क्षेत्र में सक्रियता

४. जाति पर प्रभाव

१. अस्पृष्यता की भावना में ह्रॅास
२. परम्परागत कार्यो में परिवर्तन
३. जातिगत धर्म व संस्कृति का ह्रॅास
४. अन्तर्जातीय विवाह